कुल छपे प्रश्नों की संख्या 19
कुल छपे पृष्ठों की संख्या 6

M-47- (XII) हिन्दी अनिवार्य – 19000

नामांक

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा सत्र - 2022-23

विषय : हिन्दी अनिवार्य

कक्षा - XII (बारहवीं)

समय : 3¼ घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश :

(1) सभी प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

(2) सर्वप्रथम विद्यार्थी अपने नामांक प्रश्न पत्र पर अनिवार्यत: लिखें।

(3) जिन प्रश्नों के आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ लिखें।

खण्ड—अ

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 5×1=5

सत्य और अहिंसा, केवल इस देश के लिए ही नहीं, मानव मात्र के जीवन के लिए अत्यावश्यक हो गए हैं। हम इस देश में लोकतंत्र की स्थापना कर चुके हैं, जिसका अर्थ है व्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता जिसमें वह अपना सम्पूर्ण विकास कर सके और साथ ही सामूहिक और सामाजिक एकता भी। व्यक्ति और समाज के बीच में विरोध का आभास होता है। व्यक्ति अपनी उन्नति और विकास चाहता है और यदि एक की उन्नति और विकास दूसरे की उन्नति और विकास में बाधक हो, तो संघर्ष पैदा होता है और यह संघर्ष तभी दूर हो सकता है जब उसके विकास के पथ अहिंसा के हो। हमारी संस्कृति का मूलाधार इसी अहिंसा तत्व पर स्थापित रहा है। जहाँ -जहाँ हमारे नैतिक सिद्धांतों का वर्णन आया है, अंहिंसा को ही उसमें मुख्य स्थान दिया गया है। अहिंसा का दूसरा रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा नाम स्वार्थ है, जो प्राय: भोग के रूप में हमारे सामने आता है। हमारी सारी नैतिक चेतना इसी तत्व से ओत-प्रोत है। इसलिए हमने भिन्न-भिन्न विचारधाराओं को स्वच्छन्दापूर्वक पनपने और भिन्न भाषाओं को विकसित और पलवित होने दिया।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है— 1

(अ) हमारी संस्कृति का मूलाधार-अहिंसा (ब) परोपकार

(स) एकता की भावना (द) सतय का महत्व

(ii) अहिंसा का दूसरा स्वरूप क्या है— 1

(अ) उन्नति (ब) त्याग (स) हिंसा (द) संघर्ष

(iii) मानव जीवन के लिए क्या आवश्यक है— 1

(अ) साहस व धैर्य (ब) ईश्वर में विश्वास व संघर्ष

(स) दृढ़ इच्छाशक्ति (द) सत्य और अहिंसा

(iv) लोकतंत्र का अर्थ है— 1

(अ) सामूहिक व सामाजिक एकता (ब) व्यक्तियों की विचाराभिव्यक्ति

(स) व्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता (द) इनमें से कोई नहीं

(v) भारतीय संस्कृति का मूलाधार है— 1

(अ) नैतिकता (ब) इच्छाशक्ति

(स) सत्य (द) अहिंसा

2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 5×1=5

मैंने, कुतुहल वश, आँगन के कोने की
गीली तह को यो ही उँगली से सहलाकर
बीज सेम के दबा दिए मिट्टी के नीचे
भू के अँचल में मणि-माणिक बाँध दिये हो।
ओह, समय पर उसमें कितनी फलियाँ टूटी
कितनी सारी फलियाँ, कितनी प्यारी फलियाँ।
यह धरती कितना देती है। धरती माता
कितना देती है अपने प्यारे पुत्रों को।
नही समझ पाया था मैं उसके महत्व को।
बचपन में छि: निस्वार्थ, लोभवश, पैसे बोकर।
रतन प्रसविनी है वसुधा, अब समझ सका हूँ।

(i) कवि ने धरती में किसके बीज बोये थे— 1

(अ) आम के (ब) सेम के

(स) मटर के (द) मैथी

(ii) कवि ने लोभवश धरती में क्या बोया था? 1

(अ) अनार (ब) पैसे

(स) आम (द) फलियाँ

(iii) कवि किसके महत्त्व को नहीं समझ पाया था— 1

(अ) मेहनत (ब) मिट्टी

(स) धरती (द) आँगन

(iv) "रत्न प्रसविनी" किसे कहा गया है— 1

(अ) आँगन (ब) बचपन

(स) फलियाँ (द) वसुधा

(v) धरती का पर्यायवाची शब्द कौनसा है— 1

(अ) वसुधा (ब) स्वार्थ

(स) दिनकर (द) विभाकर

3. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— 6×½=3

(i) हिन्दी ..... लिपि में लिखी जाती है।

(ii) "मोहन गधा है।" वाक्य में ..... शब्द शक्ति है।

(iii) विचारों के प्रकटीकरण के लिखित व मौखिक माध्यम को ..... कहते हैं।

(iv) "पीपर पात सरिस मन डोला।" पंक्ति में ..... अलंकार है।

(v) वर्णों की बार-बार आवर्ती को ..... अलंकार कहते हैं।

(vi) वर्णों के सार्थक समूह को ..... कहते हैं।

4. निम्नलिखित अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए : 8×1=8

(i) "जूही की कली" किसकी रचना है।

(ii) "भक्तिन" का वास्तविक नाम क्या था?

(iii) "मेढ़क मण्डली" का दूसरा नाम क्या था?

(iv) सिन्धु सभ्यता के नगरों के नाम बताईये।

(v) 'ककार' कितने होते हैं नाम लिखो।

(vi) निम्न पारिभाषिक शब्दों के अर्थ लिखिए—

(अ) Ability (ब) Economy

(vii) "हालावाद" के जन्मदाता किसे माना जाता है।

(viii) "पहलवान लुट्टन सिंह" का गुरु कौन था?

खण्ड—ब

निर्देश—प्रश्न संख्या 5 से 13 तक प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 40 शब्दों में दीजिए— 9×2=18

5. समाचार लेखन में ''इंट्रो'' किसे कहते हैं, इसका क्या महत्व है लिखिए। 2

6. निराला की ''बादलराग'' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 2

7. ''सहर्ष स्वीकारा है'' कविता का मूल भाव लिखिए। 2

8. ''बाजार का जादू'' कब सबसे ज्यादा चलता है ? 2

9. चार्ली सबसे ज्यादा स्वयं पर कब हँसता है ? 2

10. 'सिल्वर वैड़िग' कहानी में लेखक क्या सन्देश देना चाहता है। 2

11. ''जूझ'' कहानी की मूल संवेदना अपने शब्दों में लिखिए। 2

12. ''उल्टा पिरामिड'' शैली को स्पष्ट कीजिए। 2

13. फीचर किसे कहते हैं लिखिए। 2

खण्ड—स

नोट—निम्नलिखित निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में लिखिए :

14. ''आत्मपरिचय'' कविता में कवि ने हृदयगत उद्‌गारों को व्यक्त किया है। लिखिए। 3

अथवा

''उषा'' कविता में आये ग्रामीण परिवेश के बिम्बों को स्पष्ट कीजिए।

15. ''नमक'' कहानी के मूल सन्देश पर प्रकाश डालते हुए इसकी सार्थकता बताइये। 3

अथवा

''बाजार-दर्शन'' निबन्ध में बाजारीकरण की किस प्रवृत्तियों को बताया है।

16. ''सिल्वर वैडिंग'' कहानी में पारिवारिक मूल्यों के ह्रास की कहानी है। बताइए। 3

अथवा

महादेवी वर्मा द्वारा लिखा ''भक्तिन'' स्त्री विमर्श की कहानी है। लिखिए।

17. ''सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला'' का जीवन परिचय लिखिए। 3

अथवा

''शमशेर बहादूर सिंह'' का व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड — द

18. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 2+3=5

सारी मुश्किल को धैर्य से समझें बिना
मैं पेंच को खोलने के बजाय
उसे बेररह कसता चला जा रहा था
क्योंकि इस करतब पर मुझे
साफ़ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों की शाबासी ओर वाह-वाह।

अथवा

शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साईकिल तेज चलाते हुए
घंटी बजाते हुए, जोर-जोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए।
पतंग उडाने वाले बच्चों के झुण्ड को
चमकीले इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग उपर उठ सके।

19. निम्न में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 2+3=5

अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे। मस्त एवं बेपरवाह पर सरस और मादक। कालिदास भी जरूर अनासक्त योगी रहे होंगे। शिरीष के फूल पक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते है और ''मेघदूत'' का काव्य उसी प्रकार के अनासक्त-अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है।

अथवा

वहीं रहकर वह गाँव के नौजवानों और चरवाहों को कुश्ती सिखाने लगा। खाने-पीने का खर्च गाँव वालों की ओर बँधा हुआ था। सुबह-शाम वह ढोलक बजाकर अपने शिष्यों और पुत्रों को दॉव-पेच

वगेरह सिखाया करता था। गाँव के किसान और खेतिहर मजदूर के बच्चे भला क्या खाकर कुश्ती सीखते। धीरे-धीरे पहलवान का स्कूल खाली पड़ने लगा।

20. जिला शिक्षा अधिकारी, बून्दी की ओर से अर्द्धवार्षिक परीक्षा तिथि में परिवर्तन की विज्ञप्ति तैयार कीजिए। 4

अथवा

कोरोना काल में चिकित्सा विभाग को कोरोना के घर-घर सर्वे को करने के लिए पत्र लिखिए। 5

19. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 300 शब्दों में निबंध लिखिए—

(अ) महिला सशक्तिकरण : सरकार की योजनाएँ

(ब) कोरोना महामारी एवं टीकाकरण

(स) मनरेगा - गाँवों की जीवन रेखा

(द) राष्ट्र निर्माण में छात्रों का योगदान

❐ ❐ ❐